



Page No. _____
Date _____

* समष्टि अर्थशास्त्र → समष्टि अर्थशास्त्र
के क्षेत्र में सबसे ज्यादा योगदान
ज.म. का है इसलिए इसे
समष्टि अर्थशास्त्र के जनक कहते हैं।

→ समष्टि अर्थशास्त्र का अर्थ समग्र
अध्ययन है।

→ अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय या
पूर्ण उत्पादन की गणना के
लिए इसका अध्ययन विस्तार पूर्वक
किया जाता है।

* रोजगार एवं उत्पाद का निर्धारण

प्रतिष्ठित सिद्धांत → रोजगार का
प्रतिष्ठित सिद्धांत से हमें रोजगार
के सिद्धांत के बारे में विस्तृत
जानकारी देती है।
इस सिद्धांत के अनुसार
अर्थव्यवस्था में हमेशा पूर्ण
रोजगार होती है। साथ ही
साथ अर्थव्यवस्था में संतुलन
बाजार के साधनों से स्वयं
हो जाती है।

	Page No. _____ Date _____
*	प्रतिष्ठित अर्थशास्त्र की मान्यताएँ
(i)	पूर्ण प्रतियोगिता की बाजार होनी चाहिए।
(ii)	अवस्तक्षेप की नीति होती है।
(iii)	बंद अर्थव्यवस्था होनी चाहिए।
(iv)	मुद्रा स्थिर होती है।
(v)	कीमत और मजदूरी बदलते रहते हैं।
(vi)	मुद्रा केवल आदान - प्रदान के माध्यम है।